

छत्तीसगढ़ कम बेरोज़गार वाले राज्यों में नरितर बना सरिमौर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सीएमआईई द्वारा जारी कये गए नए आँकड़ों के अनुसार अगस्त 2022 में छत्तीसगढ़ की बेरोज़गारी दर 4 प्रतशित है, जबकि देश में बेरोज़गारी दर 8.3 प्रतशित है।

प्रमुख बदि

- छत्तीसगढ़ पछिले कई महीनों से सबसे कम बेरोज़गारी दर वाले राज्यों में उचच स्थान पर बना हुआ है। छत्तीसगढ़ में साढ़े तीन साल में शहरी-ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संतुलित करने तथा रोज़गार के नए अवसरों का सृजन करने वाली योजनाओं का असर है।
- जुलाई महीने में छत्तीसगढ़ की बेरोज़गारी दर 8 प्रतशित रही। मई महीने में 0.7 प्रतशित तथा मार्च-अप्रैल महीने में छत्तीसगढ़ में बेरोज़गारी दर सबसे कम 0.6 प्रतशित रही।
- सीएमआईई द्वारा जारी कये गए नए आँकड़ों के अनुसार अगस्त में बेरोज़गारी दर बहिर में 8 प्रतशित, गोवा में 13.7 प्रतशित, गुजरात में 2.6 प्रतशित, हरयाणा में 37.3 प्रतशित, हमिचल प्रदेश में 7.3 प्रतशित, जम्मू-कश्मीर में 32.8 प्रतशित, कर्नाटक में 3.5 प्रतशित तथा मध्य प्रदेश में 2.6 प्रतशित दर्ज की गई है।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसी योजनाओं पर ज़ोर दिया गया तथा क्रयान्वयन कथिा गया, जनिसे रोज़गार के नए अवसर सृजति हों। सरकार बनने के साथ ही कर्ज़ माफी तथा समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसी योजनाओं से शुरुआत की गई।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना, नरवा-गरवा-धुरवा-बाड़ी कार्यक्रम, राजीव गांधी ग्रामीण भूमहीन किसान न्याय योजना, नई औद्योगिकि नीतिका नरिमाण, वन तथा कृषिउपजों के संग्रहण की बेहतर व्यवस्था, उपजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण तथा वैल्यू एडीशन, ग्रामीण औद्योगिकि पार्कों की स्थापना, लघु वनोपजों के संग्रहण दर में वृद्धि तथा 65 तरह के लघु वनोपजों की समर्थन मूल्य पर खरीद, तैदूपत्ता संग्रहण पारशिरमकि दर में वृद्धि, मछली पालन तथा लाख उत्पादन को कृषिका दर्जा, परंपरागत शलिपयिों, बुनकरोँ तथा उद्यमयिों को प्रोत्साहन, हर ज़िले में सी-मार्ट की स्थापना जैसे अनेक कदम उठाए गए।
- गोधन न्याय योजना का वसितार करते हुए गोमूत्र खरीदी की शुरुआत की गई है। खरीदे गए गोमूत्र से भी खाद तथा कीटनाशकों का नरिमाण कथिा जा रहा है, जसिसे रोज़गार के नए अवसरों का सृजन हो रहा है।
- गाँव-गाँव में नरिमति गोठानों को भी ग्रामीण औद्योगिकि पार्क के रूप में उन्नत कथिा जा रहा है, जहाँ तेल मलि, दाल मलि, मनि राइस मलि जैसी प्रोसेसगि इकाईयों स्थापति की जा रही हैं। गोठानों में वभिनिन उत्पादों का भी नरिमाण कथिा जा रहा है।